राजफैड की स्थापना	26 नवम्बर 1957
सदस्यता	273 सदस्य (255 क्र.वि.स.स., 1 राज्य सरकार, 6 संस्था/मिलें, 11 नाममात्र)
हिस्सा पूंजी (2021-22)	31.03.2022 को 1636.40 लाख रु. (राज्य सरकार 337.25 लाख रू. क्र.वि.स. समितियॉ/संस्थाएं 1299.15 लाख रू.)

उद्देश्य

1. **समर्थन / वाणिज्यिक मूल्य पर खरीद**

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने हेतु सदस्य क्रय–विक्रय सहकारी समितियों के माध्यम से भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर तथा वाणिज्यिक आधार पर कृषि उपज की खरीद।

2. **खाद / बीज /कीटनाशक आपूर्ति**

किसानों को समय पर तथा उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता के खाद बीज एवं कीटनाशकों की आपूर्ति।

3. **पशुआहार**

सहकारी पशुआहार फैक्ट्री के माध्यम से पशुआहार का उत्पादन व विक्रय।

उद्देश्य

4. रसोई गैस

जयपुर शहर के उपभोक्ताओं के लिये रसोई गैस वितरण की व्यवस्था करना एवं इस हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की इण्डेन गैस एजेन्सी का संचालन करना।

5. शीर्ष संस्था

राज्य की क्रय–विक्रय सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था के रूप में उनका मार्गदर्शन एवं व्यावसायिक विकास करना।

6. आर्थिक सहायता

चिन्हित कमजोर क्रय–विक्रय सहकारी समितियों को रियायती ब्याज दर (4 प्रतिशत वार्षिक) पर रिवाल्विंग फंड उपलब्ध करवाकर आर्थिक सम्बल प्रदान करना।

प्रशासनिक ढ़ांचा

- प्रशासक एवम् प्रबंध संचालक के अधीन राजफैड में पांच **महाप्रबंधक** है :–

1. वित्त एवं लेखा
2. वाणिज्य
3. कृषि आदान
4. मानव संसाधन विकास
5. पशुआहार फैक्ट्री

राजफैड के आठ क्षेत्रीय कार्यालय है

(सात संभागीय मुख्यालय एवं श्रीगंगानगर)

राजफैड में कुल स्वीकृत पद – 175

राजफैड में कुल कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी – 61

राजफैड का टर्नओवर एवं शुद्ध लाभ (राशि करोड़ो में)

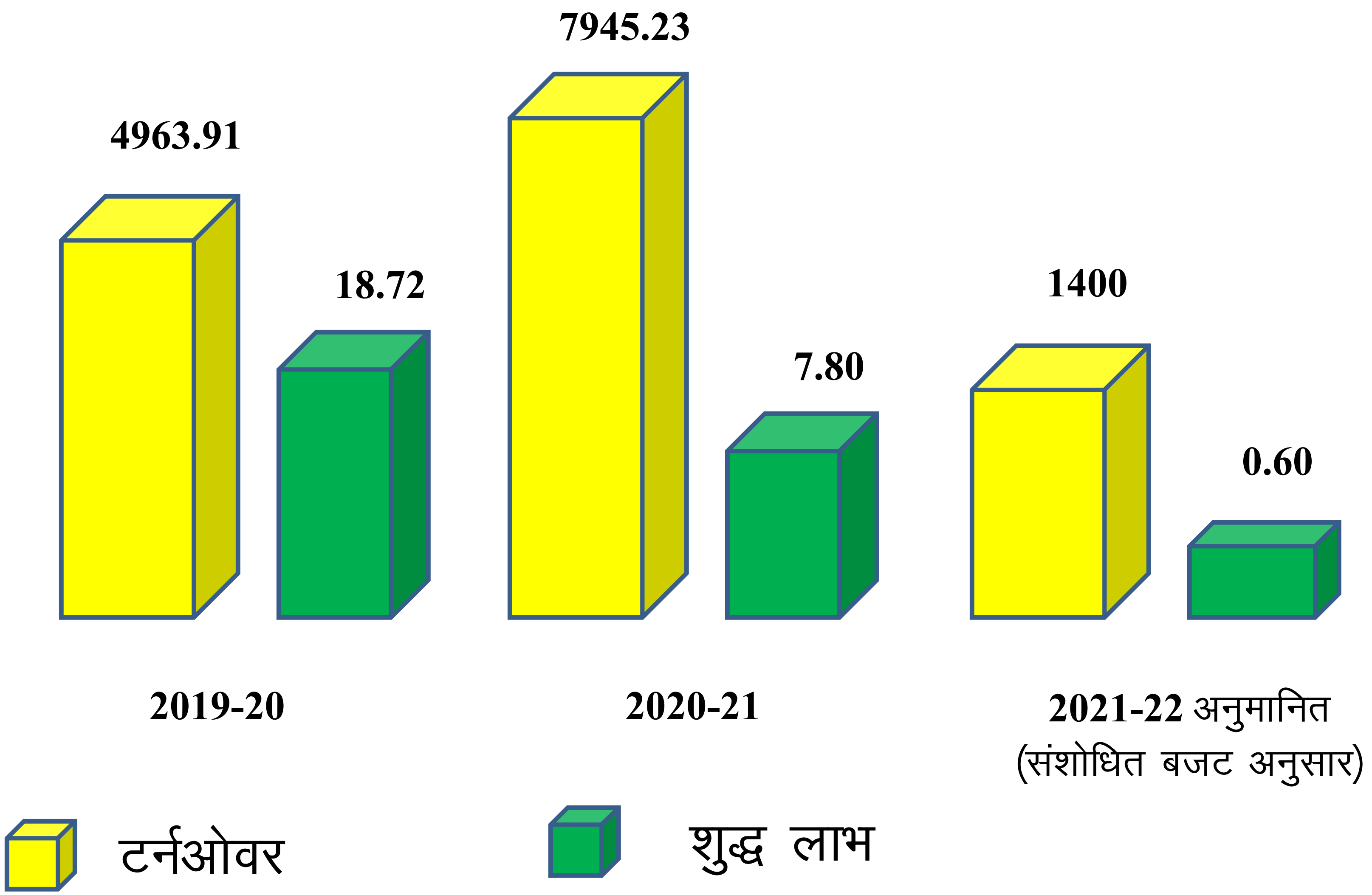

शुद्ध लाभ में कमी के मुख्य कारण

- राज्य सरकार द्वारा रिवाल्विंग फंड न उपलब्ध कराकर बैंक लिमिट उपलब्ध कराया जाना, जिस पर गारण्टी कमीशन व ब्याज भुगतान हेतु राजफैड द्वारा बड़ी राशि का व्यय।
- नैफेड व एफसीआई द्वारा प्रशासनिक व्यय सहित अन्य मदों के दावों के पुनर्भरण में लगने वाला प्रक्रियागत समय व विलंब के साथ कतिपय मदों में भारी कटौती होना।
- विश्वव्यापी कोविड–19 व अन्य परिस्थितिजन्य के कारण असामान्य व्यापारिक वातावरण।

मुख्य गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषि जिन्सों की खरीद

1.1 राजस्थान में रबी की मुख्य फसलें **गेहूं, सरसों, जौं, चना, जीरा, मेथी, धनियां, ईसबगोल** एवं खरीफ की मुख्य फसलें **बाजरा, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, मूंग, मोठ,** उड़द, अरहर, ज्वार, ग्वार, अरण्डी, तिल, कपास आदि है।

1.2 प्रति वर्ष भारत सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद आरम्भ होने से पूर्व रबी सीजन हेतु जनवरी माह में एवं खरीफ सीजन हेतु जून माह में खरीद हेतु दरें घोषित की जाती है।

सीजन	समर्थन मूल्य खरीद माह (90 दिवस)	फसल
रबी	अप्रैल से जून	सरसों, चना एवं गेहूँ
खरीफ	नवम्बर से जनवरी	मूंग, उड़द, सोयाबीन एवं मूँगफली

राजफैड

रबी सीजन वर्ष 2022–23 में समर्थन मूल्य खरीद की प्रगति/समीक्षा

▪ समर्थन मूल्य पर दलहन–तिलहन की खरीद भारत सरकार से प्राप्त स्वीकृति अनुसार दिनांक 01.04.2022 से आरंभ की जा चुकी है एवं गेहूँ की खरीद का कार्य कोटा संभाग में 15.03.2022 से तथा शेष राज्य में 01.04.2022 से आरंभ किया जा चुका है। दिनांक 19.04.2022 तक दलहन–तिलहन की खरीद की प्रगति निम्नानुसार रही :–

क्र. सं.	जिन्स	समर्थन मूल्य (प्रति क्विं.)	स्थापित केन्द्र	लक्ष्य खरीद (मै.टन)	रजिस्ट्रेशन (दिनांक 20.04.2022)	दिनांक आवंटित	क्रय मात्रा (मै.टन)	क्रय राशि (करोड़ों में)	किसानों की संख्या जिनसे खरीद की गई
1	सरसों	5050	635	1303417	705	400	0.00	0.00	0
2	चना	5230	635	597820	62892	8330	2395.75	12.53	1120
योग–			1270	1901237	63598	8730	2395.75	12.53	1120

▪ सरसों के बाजार भाव घोषित समर्थन मूल्य 5050 रु. प्रति क्विंटल से अधिक होने के कारण किसानों द्वारा पंजीयन करवानें के उपरांत भी क्रय केन्द्रों पर सरसों विक्रय हेतु नहीं लाई जा रही है।

▪ चने के बाजार भाव घोषित समर्थन मूल्य 5230 रु. प्रति क्विंटल के आस–पास एवं इससे अधिक होने के कारण चने के पंजीकृत 62892 किसानों में से मात्र 1120 किसानों द्वारा ही क्रय केन्द्रों पर चना लाया गया है, खरीद निरन्तर जारी है।

समर्थन मूल्य पर गेहॅू खरीद

1. समर्थन मूल्य पर गेहॅू खरीद हेतु खाद्य विभाग द्वारा राजफैड़ को 226 क्रय केन्द्र आवंटित किये गये है। केन्द्रों के आवंटन से पूर्व खाद्य विभाग द्वारा राजफैड से राय ली जाकर आवंटन किया जाना व्यवहारिक होगा।
2. गेहूँ का बाजार भाव समर्थन मूल्य 2015 रूपये प्रति क्वि. से अधिक होने के कारण किसान खरीद केन्द्रों पर गेहूँ लेकर नहीं आ रहे है।

समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत दलहन–तिलहन खरीद प्रगति खरीफ 2021 दिनांक 31.03.2022 तक –

समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत मूँग, उड़द, मूँगफली एवं सोयाबीन खरीद हेतु स्वीकृत केन्द्र, पंजीकरण व्यवस्था, खरीद अवधि									
क्र. सं.	फसल का नाम	खरीफ 2021 में स्वीकृत केन्द्र	खरीद लक्ष्य (मै.टन)	किसानों से ऑनलाईन खरीद प्रारंभ करने की दिनांक	पंजीकरण	खरीफ 2021 में समर्थन मूल्य दर प्रति क्विंटल	खरीफ 2021 में खरीद (31.03.2022)		किसानों की संख्या जिनसे खरीद की गयी
							मात्रा (मै.टन)	राशि (करोड़ों में)	
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
1	मूँग	**359**	361282	01.11.2021	56,094	7275	57271.50	416.65	29620
2	उड़द	**168**	61807		532	6300	40.20	0.25	26
3	सोयाबीन	**85**	293000		8	3950	0.00	0.00	0
4	मूँगफली	**264**	427000	18.11.2021	45,325	5550	53226.06	295.41	23562
	योग–	**876**	**1143089**		**1,01,959**		**110537.76**	**712.31**	**53208**

वाणिज्यिक खरीद

1.2 राजफैड की वाणिज्यिक खरीदः

वर्ष	फसल	खरीद (करोड रू.)
2016-17	सरसों,	18.89
2017-18	धनिया	1.11
2018-19	—	-
2019-20	—	-
2020-21	—	-

नोट :वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 तक समर्थन पर खरीद होने के कारण वाणिज्यिक खरीद नही हो पाई । चालू वित्तीय वर्ष में राजफैड की वित्तीय तरलता की स्थिति के दृष्टिगत इस व्यवसाय को पुनः आरम्भ किये जाने का विचार है।

1.3 अनुबंध आधार पर खरीद : निजी पार्टियों के लिए कमीशन आधारित (2 प्रतिशत कमशीन आधार पर)

वर्ष	जिन्स	राशि (करोड़ में)
2020-21	जौ	4.62
	बाजरा	1.46
2021-22	जौ	6.24
	बाजरा	0.26

नोट : वर्ष 2022–23 हेतु अनुबंध कर लिया गया है एवं जौ की खरीद प्रारम्भ की जा रही है।

2. कृषि आदान वितरण

- राज्य में किसानों द्वारा मुख्यतः **डी.ए.पी., यूरिया, एस.एस.पी. एवं जिप्सम** उर्वरकों का उपयोग किया जाता है। डीएपी एवं यूरिया की आपूर्ति इफको/कृभको द्वारा क्रय–विक्रय सहकारी समितियों/ग्राम सेवा सहकारी समितियों को की जाती है।
- वर्ष 2022–23 हेतु माननीय मुख्यमंत्री महोदय के द्वारा की गयी 2 लाख मै. टन यूरिया एवं 1.00 लाख मै.टन डी.ए.पी. के अग्रिम भण्डारण की बजट घोषणा की अनुपालना में राजफैड द्वारा कृषि विभाग के निर्देशानुसार पूर्व की भाति कृषि विभाग, राजफैड एवं ईफको /कृभको/आई.पी.एल के मध्य खाद आपूर्ति हेतु अनुबंध निष्पादन की कार्यवाही की जा रही है (राजफैड द्वारा दी गई मांग पर डीएपी पर 50 रूपये एवं यूरिया पर 25 रूपये मै.टन राजफैड मार्जिन, इसके अतिरिक्त कृषि विभाग से वास्तविक अग्रिम भण्डारण मात्रा पर 1 प्रतिशत सर्विस चार्ज)।
- सहकारी क्षेत्र में वर्ष 2020–21 में एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) आपूर्ति के लक्ष्य 50,000 मै.टन के विरूद्व 7512 मै.टन एसएसपी की समितियों को उनकी मांग अनुसार आपूर्ति की गई। वर्ष 2021–22 में दिनांक 31.03.2022 तक 13203 मै.टन एस.एस.पी आपूर्ति किया गया है। वर्ष 2022–23 में एसएसपी आपूर्ति हेतु ई–बिड की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

• सहकारी क्षेत्र में राजफैड द्वारा बीज की आपूर्ति, क्रय विक्रय सहकारी समितियों को, राजस्थान राज्य बीज निगम एवं तेलंगाना मार्कफैड के माध्यम से की जाती हैं। वर्ष 2021–22 में 31 मार्च 2022 तक 4380 क्विंटल बीज की आपूर्ति की गई। वर्ष 2022–23 हेतु तेलंगाना मार्कफैड से बाजरा बीज आपूर्ति हेतु अनुबंध किया गया है। इस व्यवसाय को अन्य संस्थाओं से करवाने हेतु एवं उन्नत किस्म के बीजों की अतिरिक्त आपूर्ति के लिये सम्भावना देखी जा रही है।

• वर्ष 2021–22 में 20050 लीटर सूक्ष्म पोषक तत्व एवं 26 मैट्रिक टन ऑर्गेनिक पोटाश की आपूर्ति अनुमोदित सम्वेदकों के माध्यम से समितियों को की गयी है। वर्ष 2022–23 में आपूर्ति के लिए ई–टेण्डर हेतु पत्रावली प्रक्रिया में है।

• वर्ष 2021–22 में कृषि विभाग/समितियों की मांगानुसार राजफैड द्वारा 5438 मै. टन (दिनांक 31.03.2022 तक) जिप्सम की आपूर्ति करवायी गयी है। जिप्सम की आपूर्ति हेतु राजफैड आरएसएमएमएल पर निर्भर है।

3. पशु आहार का उत्पादन, बिक्री एवं लाभ

(मात्रा मै. टन/राशि करोड़ो में) आईएसओ 9001 मानक प्राप्त

स्थापना – 1971 उत्पादन क्षमता 80 मै.टन प्रतिदिन (20,000 टन वार्षिक)

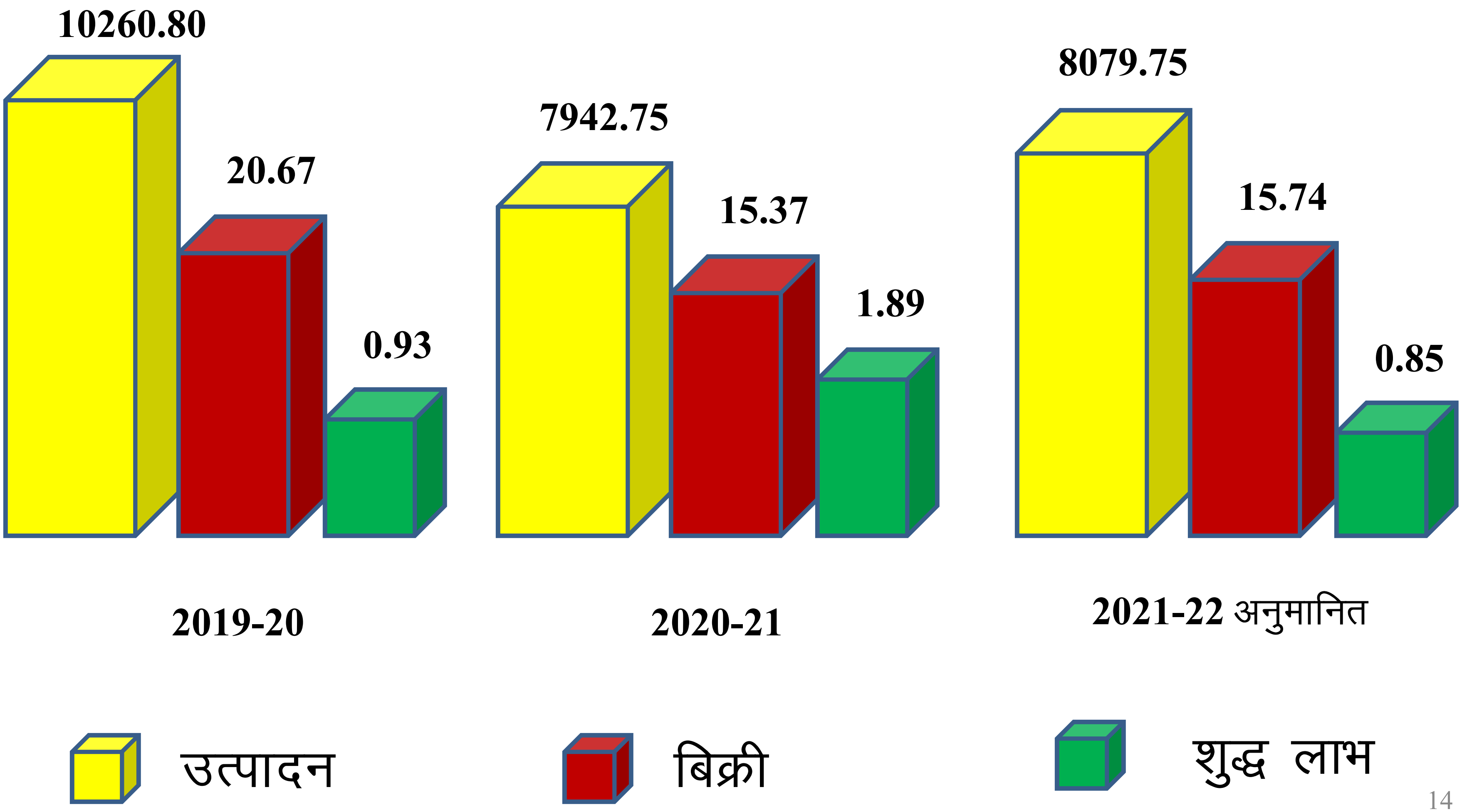

4. इंडेन रसोई गैस वितरण, बिक्री एवं शुद्ध लाभ

(मात्रा नग में/राशि करोड़ो में)

जयपुर में सी–स्कीम, सिविल लाईन्स, ज्योति नगर, गांधी नगर, हसनपुरा, एम.आई. रोड क्षेत्र के 18,000 उपभोक्ताओं को रसाई गैस की आपूर्ति।

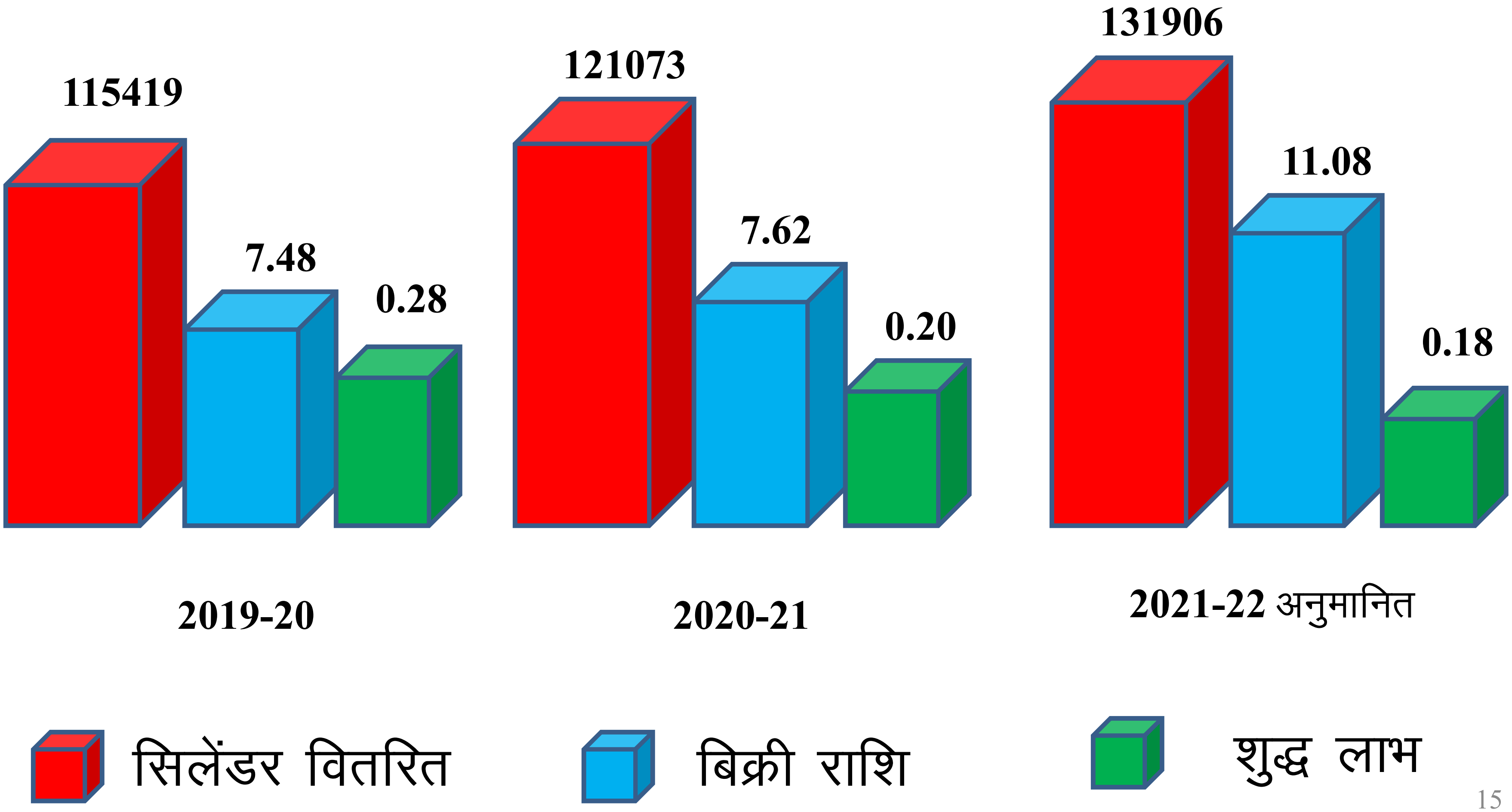

5. रिवाल्विंग फंड

- राजफैड द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर **115** क्रय–विक्रय सहकारी समितियों को लगभग **2 लाख रु. प्रति समिति** की दर से **2.17 करोड़ रु.** रियायती ब्याज दर **4 प्रतिशत** पर व्यवसाय हेतु रिवोल्विंग फण्ड के रूप में उपलब्ध करवाये हुये हैं ताकि ये समितियां अपने व्यवसाय का विस्तार कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सके। इसमें से अब तक 2.09 करोड रू. पात्र समितियों से वसूल हो चुके हैं।

6. लाभांश वितरण

- वर्ष 2018–19, वर्ष 2019–20 एवं वर्ष 2020–21 में राजफैड द्वारा 10 प्रतिशत (अधिकतम लिमिट) की दर से लाभांश घोषित कर सदस्य सहकारी समितियों/राज्य सरकार व अन्य सदस्यों को सहकारी विभाग से अनुमोदन प्राप्त कर वितरित कर दिया गया है।

7. नवाचार

- राज्य में वर्तमान में राजफैड के पास स्वंय के 26000मै.टन क्षमता के गोदाम अलवर, जयपुर, भरतपुर, बीकानेर, उदयपुर एवं श्रीगंगानगर में है जिनसे लगभग 50 लाख रूपये की वार्षिक आय किराये के रूप में प्राप्त हो रही है, राज्य में वैज्ञानिक भण्डारण क्षमता को बढाने हेतु नेब्कॉन्स के माध्यम से राजफैड की अलवर स्थित भूमि पर 10,000मै.टन क्षमता एवं राशि रू.6.42 करोड रू. पशुआहार फैक्ट्री झोटवाडा, जयपुर में 5000मै.टन भण्डारण क्षमता एवं राशि 2.53 करोड रू. के गोदाम बनवाने हेतु डीपीआर तैयार करवाई गई है। अलवर की भूमि पर गोदाम के स्थान पर व्यवसायिक निर्माण सहित अन्य विकल्प की संभावना तलाशी जा रही है।
- समर्थन मूल्य खरीद प्रक्रिया में क्रय की गई कृषि जिन्स के किसानों की पहचान सुनिश्चित करने हेतु एनआईसी से क्यू.आर. कोड स्केनिंग एप तैयार करवाया जा रहा है।
- नेफेड से शीघ्र पुर्नभरण प्राप्त किये जाने के उद्देश्य से RSWC की वेयर हाउस रसीद प्रक्रिया को DOIT के माध्यम से ऑन–लाईन करवाया गया है। जिसके कारण WR प्राप्ति में लगने वाला समय न्यूनतम हो गया है।
- रबी वर्ष 2021–22 में दी पी.एम.वी. माल्टिंग्स प्रा.लि. कम्पनी गुड़गाव के साथ निष्पादित अनुबंध के अन्तर्गत कम्पनी के लिए अब तक राशि 6.24 करोड रू. जौ की खरीद कर ली गयी है। कम्पनी के साथ निष्पादित अनुबंध अनुसार 10 करोड़ रूपये तक की खरीद तक 2 प्रतिशत दर से प्रशासनिक व्यय की राशि कमीशन के रूप में प्राप्त होगी । वर्ष 2022–23 के लिये अनुबंध निष्पादित किया गया है एवं सम्वेदक द्वारा वर्तमान व्यवसाय को बढ़ाने के साथ नये कृषि एवं क्षेत्र की सम्भावना से राजफैड को सूचित करने की सहमति हुई है।

7. नवाचार

- राजफैड की झोटवाड़ा, जयपुर स्थित पशुआहार फैक्ट्री का वर्ष 1971 में स्थापित प्लांट 50 वर्ष पुराना हो चुका है इसके उन्नयन के साथ–साथ इसी परिसर में नवीन पूर्णतः स्वचालित पशुआहार प्लांट स्थापित करने हेतु नेब्कॉन्स से 100 मै.टन प्रतिदिन क्षमता राशि 13.81 करोड रू. की डीपीआर तैयार करवाई गई है। इसके लिए वित्तीय सहायता हेतु प्रस्ताव एनसीडीसी, नई दिल्ली को भिजवाया गया है एवं राजकीय गारण्टी हेतु पत्रावली वित्त विभाग में प्रक्रियाधीन है।
- राज्य में किसानों को उत्तम गुणवत्ता के माइकोन्यूट्रेन्ट्स तत्व उपलब्ध करवाने हेतु ई–निविदा के माध्यम से कम्पनियों से अनुबंध किया गया है जिसके तहत संमितियों की मॉग अनुसार दिनांक 31.03.2022 तक 1.11 करोड रूपये मूल्य के सुक्ष्म पोषक तत्व आदि उपलब्ध करवाये गये हैं। वर्ष 2022–23 हेतु ई–टेण्डर की पत्रावली प्रक्रियाधीन है।

8. समस्याऐं

➢राजफैड द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद हेतु राज्य सरकार के निर्देशानुसार राजकीय गारन्टी पर रिवाल्विंग फण्ड की व्यवस्था वित्तीय संस्थाओं से ऋण लेकर की जाती है। केन्द्र सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन्स अनुसार रिवाल्विंग फण्ड की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाती है और राजफैड मात्र एजेन्ट के रूप में कार्य करता है। अतः उक्त ऋणों पर देय ब्याज का दायित्व भी राज्य सरकार द्वारा ही वहन किया जाना चाहिए लेकिन राज्य सरकार द्वारा उक्त ऋणों पर देय ब्याज को वहन करने से मना कर दिया गया है। इस कारण राजफैड में हानि की स्थिति उत्पन्न हो गई है। राजफैड द्वारा गत वित्तीय वर्ष में 54 करोड रू. का भुगतान उक्त ऋण पर ब्याज पेटे किया गया है।

➢राजफैड में लेखा संबंधी अधिकांश स्टॉफ सेवानिवृत हो गया है। मुख्यालय व 8 क्षेत्रीय कार्यालयों एवं गैस में मात्र 8 नियमित लेखा कार्मिक उपलब्ध है जबकि लेखा कार्यो की विविधता व अधिकता निरन्तर बढती जा रही है। अतः लेखा संबंधी स्टॉफ की शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था किया जाना संस्था के लिए हितकर होगा।

➢तिलम संघ को भारतीय खाद्य निगम की खरीद हेतु प्रशासनिक निर्णयानुसार अग्रिम राशि दी गई जिसमें से तिलम संघ की ओर 34 करोड रू. बकाया चल रहे है, जिस कारण राजफैड को लिमिट पर ब्याज एवं गारन्टी कमीशन की हानि वहन करनी पड रही है।

➢गेहूं खरीद हेतु राजफैड, एफसीआई एवं खाद्य विभाग के बीच त्रिपक्षीय अनुबंध का अभाव; खाद्य विभाग द्वारा 2013–14 में विकेन्द्रीकृत योजना में क्रय किये गये गेहूं का 12.18 करोड़ का लम्बित भुगतान। एफसीआई द्वारा वर्ष 2016–17 से 2021–22 तक गेहूं खरीद में राजफैड पर आरोपित कटौतियों से इस व्यवसाय में 50 करोड़ से अधिक की हानि सम्भावित।

9. राजफैड में सीधी भर्ती

राजफैड के प्रस्ताव संख्या 818 दिनांक 04.07.2021 के द्वारा सीर्धी भर्ती हेतु उपलब्ध 46 पदों पर राजस्थान राज्य सहकारी भर्ती बोर्ड, जयपुर के माध्यम से भर्ती करवाये जाने का निर्णय लिया गया है तथा उक्त प्रस्ताव स्वीकृति हेतु रजिस्ट्रार, सहकारी समितियॉ, राजस्थान, जयपुर को प्रेषित कर स्वीकृति प्राप्त कर राईसेम को यथाशीघ्र भर्ती कराने हेतु पत्र लिखा जा चुका है।

क्र.सं.	पद का नाम	कुल पद
01	लेखाधिकारी	02
02	पशुपोषण अधिकारी	01
03	सहायक प्रबंधक(सामान्य)	04
04	सहायक प्रबंधक (कि.नि)	11
05	कनिष्ट लेखाकार	11
06	कनिष्ट सहायक	12
07	ऑपरेटर (पशुआहार)	03
08	फीटर(पशुआहार)	02
कुल पद		46 पद